राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

यातायात नियमों की अनदेखी करते नजर आ रहे वाहन स्वामी

अयोध्या।यातायात पुलिस व अन्य थानों की पुलिस यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर अंकुश लगाने में नाकाम दिखाई दे रहे हैं।जिसका असर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक देखा जा सकता है।जबकि एसएससी डॉ गौरव ग्रोवर ने यातायात पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ–साथ सभी सर्किल के सीओ को निर्देश दिए हैं कि वे सभी अपने अपने थाना क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षकों व थानाध्यक्षो के साथ विभिन्न मार्गों, चौराहों बाजारों में वाहन चेकिंग अभियान चलाएं और यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करें।लेकिन उनके आदेश का असर किसी भी थाना क्षेत्र में नहीं दिखाई दे रहा है।

वर्ष – 03 | अंक – 309 | जौनपुर | रविवार, 29 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जनता की जेब काटने में लगी है सरकार – मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए शनिवार को कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार आवश्यक वस्तुओं के आकाश छूते दामों को रोकने के उपाय करने की बजाय जनता की जेब काटने में लगी है। खरगे ने आज यहां एक बयान में कहा कि महंगाई बढ़ने के कारण घरेलू बचत लगातार घट रही है और पिछले तीन साल से यह क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार भले ही 'अमृत काल' मना रही है लेकिन सच यह है कि लोगों की बचत बंद हो गई है और उसके घरेलू खर्चों पर लगाम लग गई है। बचत बंद, घरेलू खर्चों पर लगाम, ये है 'अमृत काल' के परिणाम। बचत बैंक खाते पर ब्याज दर 25 वर्षों में सबसे निचले पायदान पर आ गई और घरेलू बचत 50 वर्षों में सबसे कम तो हुई थी, पिछले तीन वर्षों से लगातार गिरावट देखने को मिली। ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने जनता की जेब काटने का ठेका ले रखा है।

आरएसएस का शताब्दी वर्ष, देश भर में 1500 से ज्यादा हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने शताब्दी वर्ष समारोह के तहत देशभर में हिंदू सम्मेलन और जन संपर्क कार्यक्रम आयोजित करने की योजना की घोषणा की है। इस साल विजया दशमी पर आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल पूरे करेगा। इस मील के पत्थर को मनाने के लिए 26 अगस्त को आरएसएस सर संघ चालक मोहन भागवत की व्याख्यान श्रृंखला के साथ समारोह की शुरुआत होगी, जो दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में आयोजित की जाएगी। अपने शताब्दी वर्ष के लिए, आरएसएस ने देश भर के हर राज्य के हर ब्लॉक तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। संगठन अपनी स्थानीय शाखाओं (शाखाओं) को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानता है और इस साल शाखाओं की संख्या को एक लाख से ज्यादा तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। यह जानकारी दिल्ली आरएसएस के दिल्ली प्रांत कार्यवाह अनिल गुप्ता ने देव ऋषि नारद पत्रकारिता पुरस्कार समारोह के दौरान साझा की। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष समारोह का उद्घाटन 26 अगस्त को मोहन भागवत द्वारा चार प्रमुख महानगरों में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के साथ किया जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रव्यापी आउटरीच अभियान भी चलाए जाएंगे। आरएसएस पूरे भारत में 1,500 से 1,600 हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आचार्य श्री 108 विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित एक साल तक चलने वाले राष्ट्रीय श्रद्धांजलि समारोह की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक होगा। समारोह का आयोजन जैन धर्म के महान आध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती पर किया जा रहा है। साल भर चलने वाले इस समारोह में देश भर में सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक पहल शामिल होंगी, जिसका उद्देश्य आचार्य श्री 108 विद्यानंद जी महाराज के संदेश को फैलाना है। आचार्य श्री 108 विद्यानंद जी महाराज का जन्म 22 अप्रैल 1925 को शेदबल, बेलगावी (कर्नाटक) में हुआ था। उन्होंने छोटी उम्र में ही दीक्षा प्राप्त कर ली थी और आधुनिक समय के सबसे विपुल जैन विद्वानों में से एक बन गए, जिन्होंने 8,000 से अधिक जैन आगमिक छंदों को याद किया था।

उन्होंने जैन दर्शन, अनेकांतवाद और मोक्ष मार्ग दर्शन सहित जैन दर्शन और नैतिकता पर 50 से अधिक रचनाएं लिखी। उन्होंने कई दशकों तक नंगे पांव भारतीय राज्यों की यात्रा की। साथ ही ध्यान, ब्रह्मचर्य और कठोर तपस्या का सख्ती से पालन किया। साल 1975 में भगवान महावीर के 2500वें निर्वाण महोत्सव के दौरान आचार्य विद्यानंद जी ने सभी प्रमुख जैन संप्रदायों की सहमति से आधिकारिक जैन ध्वज और प्रतीक को डिजाइन करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। पांच रंगों वाला ध्वज और हाथ से लिखा अहिंसा का प्रतीक तब से जैन समुदाय के लिए परंपराओं के अनुसार एकीकृत प्रतीक बन गए हैं। उन्होंने दिल्ली, वैशाली, इंदौर और श्रवणबेलगोला सहित पूरे भारत में प्राचीन जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अमित शाह का युवाओं से अपील, 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व नेता बनाने का लें संकल्प

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया, जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया। शाह वीडियो लिंक के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई–बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंद गुरु की वीरता को आगे बढ़ाया है और 2047 तक भारत को एक महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। शाह ने कहा, यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण बात है। हमारे युवाओं और बच्चों को एक ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना चाहिए, जहां देश अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाए जाने पर दुनिया में हर क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करे।

लालू यादव के पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं – सम्राट चौधरी

बिहार, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह और उनकी पार्टी राज्य में 15 साल तक सत्ता में रहे, लेकिन उन्होंने इसके विकास के लिए कुछ नहीं किया। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, बिहार में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय मॉडल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसका मतलब है राजा बनो, रानी (सत्ता में) लाओ और फिर राजकुमार और राजकुमारी और आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं है। सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने 15 साल तक बिहार पर शासन किया – सात साल मुख्यमंत्री रहे और उनकी पत्नी राबड़ी देवी अगले आठ साल तक सीएम रहीं – राष्ट्रीय जनता दल के नेता इस बड़े अवसर का फायदा उठाने में विफल रहे। चौधरी ने कहा कि लालू जी को बड़ा अवसर मिला। वह बिहार के मुख्यमंत्री थे और फिर 8 साल तक कठपुतली मुख्यमंत्री रहे। उसके बाद भी उन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। जनता दल–यूनाइटेड के नीतीश कुमार 2005 से बिहार के मुख्यमंत्री हैं, बीच में एक छोटी अवधि को छोड़कर। वह पहले बहुत ही कम समय के लिए मुख्यमंत्री थे। बिहार में राजनीतिक दल इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रहे हैं। भाजपा और एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापसी का भरोसा जताया है और लोगों को आरजेडी कुशासन की याद दिला रहे हैं। एनडीए नेताओं ने कहा है कि लालू प्रसाद यादव के शासन में बिहार की अर्थव्यवस्था में गंभीर ठहराव आया है, जिसमें औद्योगिक विकास को काफी हद तक नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा है कि 2001–2005 के बीच औसत जीडीपी विकास दर 2.9: थी, जो आर्थिक प्रगति की महत्वपूर्ण कमी को दर्शाती है और लालू यादव का शासन कुख्यात चारा घोटाले सहित व्यापक भ्रष्टाचार से भरा हुआ था।

अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को राजद ने संरक्षण दिया - विजय कुमार सिन्हा

पटना, एजेसी। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव के कलम बांटने की पहल पर विजय सिन्हा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि तेजस्वी और उनके माता–पिता की वजह से बिहार का युवा अपराध की ओर बढ़ा था। उन्होंने सवाल उठाया, ष्तेजस्वी यादव, आप क्यों नहीं घोषणा करते कि आप किसी अपराधी या भ्रष्टाचारी को टिकट नहीं देंगे? सिर्फ पेन चलाने और रखने वालों को ही टिकट देंगे। क्या आपके पास इतनी हिम्मत है? तेजस्वी यादव का यह कदम युवाओं को गुमराह करने वाला है और यह केवल दिखावा है। अराजकता और जंगलराज की पाठशाला में पढ़ने वाले कलाकारों का यह समूह, जिसका नेतृत्व कोई और नहीं बल्कि लालू यादव कर रहे हैं, टिप्पणी करने लायक भी नहीं है। विजय कुमार सिन्हा ने तेजस्वी के नेतृत्व और उनके परिवार की सियासी विरासत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का इतिहास अपराध और भ्रष्टाचार से भरा है, जिसके कारण बिहार में युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ गया था। बिहार की जनता को अब ऐसी राजनीति की जरूरत नहीं है, जो केवल वादों तक सीमित रहे। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कांग्रेस, राजद और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को इस फैसले से बेचौनी क्यों हो रही है? अगर आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहता है, तो इसमें गलत क्या है?

बीजेपी ने मांगा ममता बनर्जी का इस्तीफा, जेपी नड्डा ने बनाई चार सदस्यीय जांच समिति

नई दिल्ली, एजेसी। कोलकता रेप केस मामले को लेकर सियासत तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा लगातार ममता बनर्जी की सरकार रिपोर्ट सौंपने के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति के सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी और

पर हमलावर है। वहीं, भाजपा ने अपराध स्थल का दौरा करने, जांच करने और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को अपनी सांसद बिप्लब देब और मनन मिश्रा हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि जिस राज्य में महिला मुख्यमंत्री हो, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, लेकिन इतनी असंवेदनशीलता और क्रूरता क्यों है? पीड़िता ने खुद बयान जारी किया है। अगर इसे ध्यान से पढ़ें तो एक बात साफ हो जाती है कि गैंगरेप का ये पूरा दुष्चक्र कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित है। ये राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रेरित एक क्रूर कृत्य है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? क्योंकि ये एक कॉलेज यूनियन से जुड़ा है, जिसका मुख्य आरोपी मनोज मिश्रा है। मनोज मिश्रा खुद टीएमसी की छात्र शाखा के सचिव रह चुके हैं। वो टीएमसी के सदस्य हैं। संबित पात्रा ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक कमेटी बनाई है, वह कमेटी मौके पर जाकर जांच करेगी। इसके सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी और सांसद बिप्लब देब और मनन मिश्रा हैं।

यह कमेटी जल्द ही मौके का दौरा कर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। उन्होंने दावा किया कि पीड़िता को हॉकी स्टिक से पीटा गया। हम डरावनी फिल्मों में देखते हैं कि राक्षस और राक्षस एक महिला के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। इन टीएमसी गुंडों ने पीड़िता के साथ वैसा ही व्यवहार किया। वे उसे अस्पताल नहीं ले गए। भाजपा नेता ने कहा कि एक टीएमसी नेता, मनोजीत मिश्रा ने ऐसा किया है। उन्हें अभिषेक बनर्जी, मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के साथ देखा जा सकता है... ममता बनर्जी इस क्रूर बलात्कार की घटना को कितने हल्के में लेती हैं। कल्याण बनर्जी, जो एक प्रसिद्ध सांसद हैं।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में केंद्रीय मंत्री सिंधिया की बड़ी पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार और उत्तर–पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री एवं गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया आज गुना में डाक विभाग द्वारा आयोजित सुकन्या समृद्धि योजना पासबुक वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सिंधिया ने गुना संसदीय क्षेत्र की 886 बालिकाओं के अपनी निजी राशि से खुलवाए गए सुकन्या समृद्धि खातों की पासबुक बच्चियों के परिजनों को वितरित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि मनुष्य का अस्तित्व ही मातृशक्ति की बदौलत है। उन्होंने कहा कि आज नारियों को सशक्त बनाने की आवश्यकता है ताकि वे अपना भविष्य खुद तय कर सकें। सिंधिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने बेटियों के सशक्तिकरण के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के रूप में जो बीज बोया था, आज वह वटवृक्ष के रूप में महिलाओं को छाया दे रहा है। डाक विभाग द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत आज देशभर में तीन करोड़ 60 लाख खाते खोले जा चुके हैं। आज इन खातों में 2 लाख करोड़ की राशि जमा है। वहीं गुना संसदीय क्षेत्र में अब तक 30 हजार खाते खुल चुके हैं। सिंधिया ने कहा कि उन्होंने 2 महीने पहले निर्णय लिया कि 1 मई 2025 से 1 मई 2026 तक जितनी बच्चियों का जन्म मेरे संसदीय क्षेत्र यानी गुना, शिवपुरी और अशोकनगर में होगा उन सभी के खाते मैं अपनी निजी पैसे से खुलवाऊंगा। सिंधिया ने कहा कि मैंने बच्चियों के खाते खुलवाने की पहल इसलिए शुरू की, ताकि उनके भविष्य को एक उड़ान मिल सके और वे आगे जाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। कार्यक्रम में बोलते हुए सिंधिया ने कहा कि उनकी आजी अम्मा राजमाता विजयाराजे सिंधिया कहा करती थीं– जो हाथ एक शिशु के पालने को झुला सकते हैं वो पूरे विश्व को भी चला सकते हैं। सिंधिया ने कहा कि राजमाता ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल खुलवाए, और बेटियों की शिक्षा के लिए संस्थान भी खोले। उन्होंने कहा कि वे नारी सशक्तिकरण की मिशाल थीं। इस दौरान सिंधिया ने अपने बचपन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा दुलार और फटकार अपनी अम्मा से मिलती थी।

चुनाव आयोग ने विशेष मतदाता सत्यापन अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया है, जिसका उद्देश्य राज्य में प्रत्येक मतदाता की पात्रता की पुष्टि करना है। यह अभियान राजनीतिक दलों और जिला प्रशासन के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसके लिए चुनाव आयोग ने बूथ स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई है। एसआईआर के तहत, ईसीआई ने पहले से मौजूद 77,895 बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) के अलावा 20,603 और बीएलओ तैनात किए हैं। इसके अलावा एक लाख से ज्यादा स्वयंसेवक भी लगाए गए हैं, जो बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमार, गरीब और कमजोर वर्ग के मतदाताओं की मदद करेंगे। सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया में सहायता के लिए 1,54,977 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए हैं, साथ ही काम आगे बढ़ने पर और एजेंट नियुक्त करने का विकल्प भी दिया गया है। बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों में पंजीकृत 7.89 करोड़ मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र (ईएफ) घर–घर जाकर वितरित किए जा रहे हैं और ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। इनमें करीब 4.96 करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो 1 जनवरी 2003 तक पंजीकृत हो चुके थे। उन्हें सिर्फ अपनी जानकारी की पुष्टि करके फॉर्म जमा करना है। जिला मजिस्ट्रेट और संभागीय आयुक्त बीएलओ की तैनाती की देखरेख कर रहे हैं। साथ ही, चुनाव आयोग बिहार में 5.74 करोड़ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों पर एसएमएस भेजकर भी मतदाताओं से संपर्क कर रहा है। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी काम तय समय पर चल रहे हैं और यह भी भरोसा दिलाया कि सिर्फ 18 साल से ऊपर के भारतीय नागरिक, जो संबंधित क्षेत्र में रहते हैं।

बंगाल में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से ध्वस्त, कानून मंत्री ने ममता सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कोलकाता गैंगरेप मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की है। मेघवाल ने बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून–व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। भाजपा ने टीएमसी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस मामले में तेजी से काम नहीं कर रही है। गैंगरेप की घटना के सिलसिले में चार गिरफ्तारियां की गई हैं।

एनसीडब्ल्यू ने चीफ सेक्रेटरी को लिखा लेटर

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दक्षिण कोलकाता में हुए सामूहिक बलात्कार

मामले में तत्काल कार्रवाई करने और आयोग के सदस्य और पीड़िता एवं उसके परिवार के बीच बैठक के लिए राज्य पुलिस से सहयोग मांगा है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस घटना को गंभीर बताया और कहा कि इसने लोगों की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। आयोग ने शुक्रवार को मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने पर जोर दिया है। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में रहाटकर ने निर्देश दिया कि राज्य पुलिस को एनसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना मजूमदार के साथ पूरा सहयोग करना चाहिए, जिन्हें पीड़िता और उसके परिवार से मिलने के लिए नियुक्त किया गया है।

साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज' की प्रथम वर्ष की छात्रा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 25 जून की शाम को संस्थान के एक पूर्व छात्र और दो वरिष्ठ छात्रों ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। तीनों आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उसी दिन युवती की मेडिकल जांच भी कराई गई।

संपादकीय

प्रकृति का पर्यावरण

हमारे शहरों को ड्रीम सिटी बनाने का सपना दिखाया गया। भारत में ही लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क व सिंगापुर बनाने का वादा किया गया। इसके लिए हर बड़े शहर के मुहाने पर कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए गए। मानें या न मानें, सपनों के शहर की आकांक्षा में हमारे पर्यावरण का संकट हमने ही रचा है। हमारे द्वारा किए गए कचरे से हमारी सेवा करने वाले हमारे लिए नए पहाड़ बना रहे हैं। जनता सत्ता के राष्ट्रवाद में सराबोर है, लेकिन क्या वह उतना ही समाज में किए जाने वाले रचनात्मक कार्यों के प्रति भी सजग है? समाज ने अपने रचनात्मक कार्य भी सत्ता के भरोसे छोड़ दिए हैं। आज हमारा धर्म, हमारा व्यवहार व व्यापार और हमारे पर्यावरण तक को सत्ता ही परिभाषित कर रही है। यहां तक कि हम अपने हर विचार व व्यवहार के लिए सत्तानीति पर आश्रित हैं। डबल इंजन सरकार का सिंगल अजेंडा यही है कि सत्ता कायम कैसे रखी जाए। क्यों हर साल एक बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर साल भर प्रकृति के साथ सहजीवन का तिरस्कार होता रहता है? इस साल भी यही हुआ। समाज में विकास की तेज रफ्तार के लिए जनता द्वारा किए जाने वाले रचनात्मक कार्यक्रमों को फिर भुलाया गया। सत्ता तेज रफ्तार के विकास का स्वांग तो जनता को भरमाने या हैरान करने के लिए रचती है। आज हर तरफ मंडराते युद्ध के कारण जो जीवन, धन व वन का क्षय हो रहा है उसमें सत्ता के कुछ सिरफिरों के लिए हमारा पर्यावरण नगण्य हो गया है और हमने भी पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भुला दिया है। हम भी तेज विकास की रफ्तार में अपनी गाड़ी को दौड़ाते हुए पर्यावरण की अनदेखी और उत्तरदायित्व की नासमझी कर रहे हैं। उसे ही विकास मान रहे हैं। जो भी हमारे इस तेज रफ्तार विकास के आड़े आ रहा है उसको हम जलवायु परिवर्तन के बहाने से छुपाने, ढांकने में लगे हैं। खबर आई कि हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल कसौल के जंगलों में पर्यटन से उपजा, आसपास के कई सौ होटलों का कचरा जंगल के मुहाने पर डाला जा रहा था। सवाल उठे तो उस कचरे को कई ट्रकों में भरकर संरक्षित जंगल के और अंदर बेशर्मी से ले जाकर छुपाया गया। उस पर मिट्टी डाल दी गयी। शहरों में तो ऐसे कचरे के पहाड़ बन ही रहे हैं, मगर अब पहाड़ों में भी कचरे के शहर बनने की शुरुआत हो गयी है। सुविधा संपन्न सत्ता ऐसे ही विकास के नाम पर समाज को ठगती व लूटती है। हम आज इतना कचरा पैदा कर रहे हैं जितना सहेज नहीं सकते। कचरा हम कर रहे हैं और उसको सहेजने का जिम्मा दूसरों पर डाल रहे हैं। क्या सत्ता के लिए पर्यटन ही एक मात्र विकास का पैमाना हो गया है? हमारे शहरों को ड्रीम सिटी बनाने का सपना दिखाया गया। भारत में ही लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क व सिंगापुर बनाने का वादा किया गया। इसके लिए हर बड़े शहर के मुहाने पर कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए गए। मानें या न मानें, सपनों के शहर की आकांक्षा में हमारे पर्यावरण का संकट हमने ही रचा है। हमारे द्वारा किए गए कचरे से हमारी सेवा करने वाले हमारे लिए नए पहाड़ बना रहे हैं। हम उन पहाड़ों को अनदेखा कर, छोड़कर हिमाचल, उत्तराखंड, कश्मीर व अन्य जगहों के पहाड़ों पर पर्यटन करने जा रहे हैं। हम एक तरफ अपनी नदियों में औद्योगिक कचरा जाने दे रहे हैं।

प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय

अरुण

मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय बेतुका, खतरनाक और शिक्षा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने कहा कि कक्षा एक से बच्चों को सैन्य प्रशिक्षण देने का विचार श्युवा शिक्षार्थियों में कम उम्र से ही देशभक्ति, अनुशासन और शारीरिक फिटनेसश को बढ़ावा देना है। हालांकि यह बच्चे की देखभाल के किसी भी पहलू पर लागू नहीं होता है। यह बाल विकास के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के विरुद्ध है। इस तरह से बच्चों के दिमाग को अनुशासित करना कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित इस अवधारणा पर आधारित है कि बच्चों पर सहज प्रेम बरसाने के बजाय उन्हें नियंत्रित, अलग–थलग और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस कम उम्र में उन्हें सैन्य प्रशिक्षण में धकेलना अनुशासन के नाम पर उनके दिमाग में बैरक जैसे विचार भरना है। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. परम सैनी के अनुसार ये विचार 18वीं और 19वीं सदी के सामाजिक मानदंडों से प्रभावित थे जिन्हें अब काफी पुराना माना जायेगा। आधुनिक पालन–पोषण स्नेह, गर्मजोशी, पोषण, सहानुभूति, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित लगाव आदि को महत्व देता है और इन्हें अब स्वस्थ भावनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक माना जाता है। माता–पिता और परिवार द्वारा इन्हें प्रदान किया जाना चाहिए और स्कूलों में शिक्षकों द्वारा सुदृढ़ किया जाना चाहिए। बच्चों को एक–दूसरे के साथ घुलने–मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथियों के साथ खेलना, चर्चा करना, बहस करना हमेशा विकास का एक स्वस्थ संकेत है। यही कारण है कि हम कई बार देखते हैं कि बच्चे एक–दूसरे से झगड़ते हैं लेकिन जल्द ही दोस्त बन जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का विकास करना है जो तर्कसंगत रूप से सोच सके और घटनाओं का विश्लेषण कर सके। उसे समाज, परिवार और राज्य द्वारा बतायी गयी बातों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। बच्चे का दिमाग खाली होता है और उसे सकारात्मक मूल्यों से भरना होता है। इस छोटी उम्र में सैन्य जैसा अनुशासन लागू करने का विचार ही बच्चों में रचनात्मक विचारों, तर्कसंगत सोच और जिज्ञासा को नष्ट कर देगा। सैन्य कर्मियों द्वारा छोटी उम्र में बच्चों को अनुशासित करने से उनकी रचनात्मकता अवरुद्ध हो जायेगी और वे आज्ञाकारी अधीनस्थ की तरह सोचने लगेंगे। इस उम्र में कोमल मन कई प्रश्नों से भरा होता है जिनका उत्तर उसके व्यक्तित्व के विकास के लिए दिया जाना चाहिए। बच्चे द्वारा उठाये गये किसी भी प्रश्न को अनदेखा करने से विकासशील मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चूंकि बच्चे के लिए आस–पास की बहुत सी चीजें या घटनाएं बहुत नयी होती हैं, इसलिए उसे सवाल पूछने और संदेहों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चे को प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना, उसका संरक्षण और संवर्धन करना, प्रकृति के उत्पादों के साथ खेलना सिखाना चाहिए। जिज्ञासा को शांत करना और तर्कसंगत विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना माता–पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है। स्कूली छात्रों के प्रारंभिक वर्षों के लिए दुनिया भर में कई शिक्षा कार्यक्रम पहले से ही तैयार किये गये हैं। मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते हैं, बच्चे के व्यवहार के लिए जोखिम भरा होगा। बच्चे कल्पनाओं और एक काल्पनिक दुनिया में रहते हैं। धीरे–धीरे वे वास्तविक दुनिया के मामलों के बारे में सीखते हैं। सैन्य प्रशिक्षण के तहत वे काल्पनिक दुश्मन के विचारों के साथ रहते हैं और कैसे उन्हें पराजित करें या मारें इसकी योजना बनाते हैं। ऐसे बच्चे अपने साथियों के प्रति भी हिंसक चरित्र विकसित कर सकते हैं। कुछ दशक पहले बच्चे जानवरों, पेड़ों, पहाड़ों आदि जैसे प्रकृति पर आधारित खिलौनों से खेलते थे। पुराने खेल बच्चों को बंदूक संस्कृति से दूर रखती थीं। परन्तु आजकल के खिलौने, यहां तक कि होली खेलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग भी बंदूक की तरह काम करते हैं। वीडियो गेम जिसमें बच्चे गोली चलाना और मारना सीखते हैं, खतरनाक भूमिका निभा रहे हैं। इससे समाज में हिंसा में वृद्धि हुई है। अमेरिका में जहां बंदूकें खुलेआम उपलब्ध हैं, वहां स्कू ली बच्चों द्वारा गोली चलाने के कई मामले देखने को मिलते हैं। शिक्षा का उद्देश्य बच्चे को मौलिक विचार, तर्क, विवेक और अवलोकन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कायर छिपकर वार करते

आदित्य

अपने आसपास नाइंसाफी, शोषण, अत्याचार देखकर भी अगर सब कुछ चंगा सी के मोहजाल में देश फंसा रहा तो समय की किताब में उसका यह अपराध दर्ज होगा। और यहां मुद्दा केवल ईरान या फिलीस्तीन पर हुआ अत्याचार नहीं है। अपने देश में भी जिस तरह का माहौल बनाने की सायास कोशिशें हो रही हैं, उन्हें देखकर भी यही लग रहा है कि अत्याचार करने के नए बहाने, नए माहौल और नए तरीके ईजाद किए जा रहे हैं। इस समय वार–पलटवार की बात करने पर इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का ही संदर्भ सबसे पहले ध्यान में आता है। इजरायल ने ईरान में तख्तापलट के लिए परमाणु हथियारों के बहाने से हमला किया और उसके मसीहा अमेरिका ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर यानी आधी रात को हथौड़े की चोट बताते हुए ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर बम गिराए। शांति की बात करते–करते डोनाल्ड ट्रंप युद्ध में शामिल हो गए और अब उनके मुंह से भी सच्चाई निकल गई है कि ईरान को फिर से ग्रेट बनाना है तो यहां की सत्ता को बदलना होगा। यानी छिपकर, बहाने बनाकर कायरों की तरह इजरायल और अमेरिका लड़ रहे हैं, मगर दुनिया को नसीहत दे रहे हैं कि शांति शक्ति से ही आती है। हालांकि अब इन दोनों देशों का सच दुनिया के सामने आ गया है और इनका साथ देने वाले या चुप रहकर विश्वगुरु बनने के ख्वाब देखने वालों की सच्चाई भी सब देख रहे हैं। दिनकर ने कहा है– समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध। जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।। अपने आसपास नाइंसाफी, शोषण, अत्याचार देखकर भी अगर सब कुछ चंगा सी के मोहजाल में देश फंसा रहा तो समय की किताब में उसका यह अपराध दर्ज होगा। और यहां मुद्दा केवल ईरान या फिलीस्तीन पर हुआ अत्याचार नहीं है। अपने देश में भी जिस तरह का माहौल बनाने की सायास कोशिशें हो रही हैं, उन्हें देखकर भी यही लग रहा है कि अत्याचार करने के नए बहाने, नए माहौल और नए तरीके ईजाद किए जा रहे हैं। हाल–फिलहाल में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनसे पता चलता है कि संविधान बदलने की भाजपा की कोशिश अभी खत्म नहीं हुई है। बस तरीके बदल गए हैं। अभी भाजपा पूरे देश में संविधान हत्या विरोधी दिवस मनाने में लगी है, उसे किसी भी तरह आपातकाल के मुद्दे को जिंदा रखना है ताकि कांग्रेस को घेरने में मदद मिले। संविधान के साथ हत्या जैसा शब्द भी वही लोग लगा सकते हैं जो गांधी को मार कर उसे वध का नाम देते हैं। ऐसी सोच वाले लोगों की नजर में संविधान भी शुरु से खटकता रहा है और तिरंगा झंडा भी। हालांकि नरेन्द्र मोदी अपने ऊपर से इस दोष की मिट्टी को झाड़ना चाहते हैं, इसलिए घर–घर तिरंगा अभियान चलाया और अब संविधान को बचाने की बात कह रहे हैं। लेकिन उनकी पार्टी की केरल ईकाई के नेता और भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहे एन. शिवराजन ने कहा कि देश का झंडा भगवा होना चाहिए, ये मेरी निजी राय है, भारत का झंडा कांग्रेस और एनसीपी के झंडे जैसा नहीं हो सकता है। यहां निजी राय बोलकर शिवराजन ने अपनी पार्टी नेतृत्व को सवालों से बचाने की कोशिश की है, लेकिन भाजपा का मकसद फिर भी सामने आ गया है। देश का झंडा अगर कांग्रेस या एनसीपी से मिलता जुलता नहीं हो सकता तो फिर भाजपा के रंग से कैसे मिल सकता है, इस बात का जवाब भी शिवराजन को देना चाहिए। हालांकि जवाब देने की परिपाटी भाजपा में नहीं है। इस बार तो सीधे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभाला है। उन्होंने कहा है कि ऐसा समाज बनाएंगे, जिसमें अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी। यह बयान पूरी तरह नफरत से प्रेरित है कि किसी भाषा के इस्तेमाल पर शर्म आए। इस देश में बड़ी आबादी हिंदी बोलती और समझती है। शुद्ध हिंदी तो अब विरले ही बोल, लिख या समझ पाते हैं। मगर फिर भी गलत–सलत ही सही हिंदी का इस्तेमाल ही ज्यादा होता है। फिर भी अमित शाह या भाजपा को किस बात की कुंठा है कि वे हिंदी और अन्य मातृभाषाओं को थोपने के लिए अंग्रेजी के खिलाफ शर्म का माहौल बनाने में लगे हैं। राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, एस.जयशंकर, हिमंता बिस्वासरमा, हरदीप सिंह पुरी, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, गजेन्द्र सिंह शेखावत, निशिकांत दुबे, ज्योतिरादित्य सिंधिया, स्मृति ईरानी इन सबके बच्चों ने विदेशों में डिग्री हासिल की है, और इनमें से खुद कई अंग्रेजी माध्यम में ही पढ़े हैं और अब भी अंग्रेजी में ही ढंग से बात कर पाते हैं। तो अब इन्हीं को जवाब देना चाहिए कि आगे से शर्म से बचने के लिए ये क्या उपाय करने वाले हैं। झंडे का अपमान ये सब संविधान विरोधी कार्य ही हैं। लेकिन भाजपा तो संविधान हत्या विरोधी दिवस मनाती है, संविधान के अपमान को रोकने की कोशिश नहीं करती। इसलिए जब–तब दलितों, अल्पसंख्यकों पर तरह–तरह से प्रताड़ना के मामले सामने आते हैं। अभी एक भागवत कथा करने पहुंचे व्यक्ति के सिर से बाल मूंड दिए गए क्योंकि अहीर होने के बावजूद वह ब्राह्मण परिवार में कथा करने पहुंचा। एक निजी एयरलाइंस में एक पायलट को अपमानित किया गया कि तुम प्लेन उड़ाने लायक नहीं हो, जाकर चप्पलें सिलो। जाति के नाम पर इस तरह की प्रताड़ना के ये प्रकरण बता रहे हैं कि हिंदू राष्ट्र बनाने के बाद मनु स्मृति को लागू करना इनका अंतिम मकसद है। लोकसभा चुनावों में खुलकर संविधान बदलने की वकालत कई भाजपा नेताओं ने की थी।

.... विविध ....

खाटू श्याम दर्शन की तैयारी कर रहे हैं यह गाइड आपके बहुत काम आएगी

एक समय था जब लोग अपने अवकाश के दिनों में पहाड़ों में घूमने जाते थे, लेकिन अब समय बदल गया है। आज से समय हर उम्र के लोग पहाड़ों की जगह धार्मिक स्थलों की तरफ रुख मोड़ रहे हैं। खासतौर पर युवा वर्ग के लोग कैंची धाम, मां वैष्णो के धाम, मथुरा, वृंदावन, बनारस और बाबा खाटू श्याम जाना पसंद कर रहे हैं। तो यदि आपका भी कुछ ऐसा ही प्लान है और आप बिना किसी परेशानी से बाबा के धाम जाना चाहते हैं तो इस लेख को अंत तक पढ़ें। यहां खाटू श्याम जाने की पूरी गाइड दी गई है।

ये है ट्रेन का रूट

बाबा खाटू श्याम के मंदिर से सबसे करीबी रेलवे स्टेशन रींगस जंक्शन है, जहां कई जिलों से सीधी ट्रेनें आती हैं। खासतौर पर दिल्ली, जयपुर, अजमेर, कोटा, लुधियाना, सूरतगढ़, हिसार आदि जगहों से यहां के लिए सीधी ट्रेनें उपलब्ध हैं। तो अगर आपको रेलयात्रा पसंद है तो अपनी टिकट ट्रेन से बुक करा लें। इस जंक्शन से खाटू श्याम मंदिर से लगभग 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। स्टेशन के बाहर से आपको आसानी से टैक्सी मिल जाएगी जो बाबा के धाम आपको पहुंचा देगी।

कितना रहेगा किराया

बात करें ट्रेन के किराए की तो स्लीपर कोच के लिए आपको 200–400 रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं। वहीं थर्ड और सेकेंड एसी के टिकट के लिए 700 से 1500 रुपये तक खर्च करने पड़ेंगे। स्टेशन के बाहर आपको शेयरिंग टैक्सी या पर्सनल टैक्सी आपको आसानी से मिल जाएगी, जो महज 50–50 रुपये लेकर आपको मंदिर के पास छोड़ेगी।

ये है बस का रूट

अब जान लेते हैं कि यदि आप बस से बाबा के धाम जाना चाह रहे हैं तो कैसे वहां पहुंचे। इसके लिए राजस्थान रोडवेज के साथ–साथ निजी बस ऑपरेटर दिल्ली, नोएडा, जयपुर, हरियाणा और पंजाब से लेकर सीधी खाटूध्रींगस तक बस सेवा उपलब्ध कराते हैं। अगर आपके यहां से रींगस की सीधी बस नहीं हैं तो आप जयपुर तक की बस बुक कर सकते हैं। यहां से बदल बदलें और रींगस की बस में बैठ जाएं। जयपुर से खाटू श्याम मंदिर की दूरी 80 किमी है। खास बात ये है कि जयपुर से हर समय रींगस की बसें उपलब्ध रहती हैं।

कितना रहेगा किराया

बात करें किराये की तो अगर आप सरकारी बस से जाते हैं तो दिल्ली से जयपुर मानकर चलिए आपको लगभग 300 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। वहीं प्राइवेट बस से अगर आप जाते हैं तो स्लीपर बस का किया 400 से 700 रुपये तक हो सकता है। इसके बाद जयपुर से रींगस जाने के लिए नॉन एसी सीटर 23 बस का न्यूनतम बस टिकट किराया 75 रुपये है जबकि एसी बस का किराया थोड़ा ज्यागा हो सकता है।

ये है कार का रूट

अगर आप अपने वाहन से बाबा खाटू के धाम जा रहे हैं तो ये सबसे आसान तरीका है। दिल्ली से बाबा के धाम की दूरी लगभग 280द्300 किमी है। ऐसे में इस यात्रा मे आपको महज 5–6 घंटों का समय लगेगा। यदि आप रुकते–रुकते भी जाते हैं, तो 7–8 घंटों में पहुंच जाएंगे।

कितना लगेगा किराया

यदि किराये की टैक्सी है तो 10द्12 रुपये प्रति किमी इसका किराया रह सकता है। ये पूरी तरह से आपकी गाड़ी के प्रकार पर निर्भर करता है। वहीं अगर आप अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो 300 किलोमीटर जाने के लिए, आपको 25–30 लीटर पेट्रोल की आवश्यकता होगी। अब आप अपना बजट तैयार कर सकते हैं

ये है फ्लाइट का रूट

यदि आपके पास ज्यादा समय नहीं है या फिर आप काफी दूर से आ रहे हैं तो फ्लाइट भी बेहतर विकल्प है। बाबा के धाम से सबसे करीबी एयरपोर्ट जयपुर है। तो आप कहीं से भी जयपुर का टिकट करा सकते हैं।

कितना रहेगा किराया

अगर आप मुंबई से आ रहे हैं तो आपकी फ्लाइट का टिकट आसानी से 5000–8000 तक में मिल जाएगा। इसके बाद जयपुर एयरपोर्ट से सीधा बाबा के धआम जा सकते हैं। एयरपोर्ट से खाटू श्याम मंदिर की दूरी लगभग 100 किलोमीटर है। ऐसे में टैक्सी से 2–3 घंटे का समय लगेगा। टैक्सी किराया लगभग 2,000द्3,000 रुपये हो सकता है।

कहां रुकें

बाबा खाटू श्याम के मंदिर जाने से पहले रुकने की व्यवस्था अवश्य कर लें। आज–कल वहां काफी भीड़ होती है।

घर में ही तैयार करें ढाबा स्टाइल नान–कुलचा

भारतीय घरों में संडे का मतलब होता है, आराम करना और तरह–तरह के पकवान बनाना। तो यदि आप भी इस इतवार को खास बनाना चाहते हैं तो फिर तैयार करें कुलचा या नान से साथ अपनी पसंददा सब्जी। लोग कठिन से कठिन सब्जी को तैयार कर लेते हैं लेकिन उनसे घर पर एकदम ढाबा स्टाइल नान और कुलचा नहीं बनता। क्योंकि हर किसी के घर में तंदूर हो ये जरूरी तो नहीं है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि आप कैसे घर पर ढाबा स्टाइल नान और कुलचा तैयार करें। खासबात ये है कि इसे बनाने के लिए आपको तंदूर की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पहले जानें नान बनाने की विधि

पहले नान बना लेते हैं, क्योंकि इसमें कुछ भरा नहीं होता, जबकि कुलचा बनाने के लिए उसकी स्टफिंग भी तैयार करनी पड़ेगी। तो नान बनाने के लिए सबसे पहले नरम मैदा गूंथनी है। इसके लिए एक बड़ी सी परात या कटोरे में मैदा निकाल लें। इसके बाद इसमें तेल, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक, चीनी डालकर मिक्स करें। जब मैदा में सभी सामान मिल जाए तो दही डालकर इसे गूंथ लें। इसे इतना मल लें, कि ये हाथ में पकड़ आने लगे। इसके बाद धीरे–धीरे दूध डालते हए मैदा पूरी तरह से गूंथ लें। ये ज्यादा टाइट नहीं होनी चाहिए। अब इसे सेट होने के लिए ढककर रख दें। तकरीबन एक घंटे के बाद इससे लोई लेकर थोड़ा बेलें फिर ऊपर से धनिया पत्ती चिपका दें और पूरा बेल लें। इस साइड में हल्का सा पानी लगाकर इसे गर्म तवे पर चिपका दें। अब पहले तवे को सीधा रखकर इसे सेकें, इसके बाद तवे को पकड़कर पलट दें और फिर दूसरी तरफ से सेक लें। जब ये सिक जाए तो तवे से हटाकर इसपर बटर लगाएं और परोसें।

कुलचा बनाने की स्टफिंग

पनीर या उबला आलू

बारीक प्याज – 1

हरी मिर्च

धनिया

नमक

चाट मसाला

अमचूर

कुलचा बनाने की विधि

स्टफ्ड कुलचा बनाने के लिए सबसे पहले तो इसकी स्टफिंग तैयार करें। इसके लिए आलू या पनीर को मैश करके उसमें सभी मसाले मिक्स करें। मसालों को मिक्स करने के बाद गुंथी हुई मैदा की लोई लेकर उसमें स्टफिंग भरें। स्टफिंग को भरने के बाद इसे भी बेल लें और तवे पर वैसे ही सेकें, जैसे नान को सेका था। बस कुलचा भी तैयार है।

मेथी का पानी पीने का सही तरीका

मेथी हमारे भारतीय रसोई का एक महत्वपूर्ण मसाला है, जो न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाती है बल्कि अपने कई औषधीय गुणों से भी भरपूर है। इसे आयुर्वेद में भी एक शक्तिशाली जड़ी–बूटी के रूप में देखा जाता है। रोज सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीने से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। यह साधारण–सा दिखने वाला पेय हमारे शरीर में कई सकारात्मक बदलाव ला सकता है, साथ ही कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम करता है। हालांकि, इन लाभों को पूरी तरह से पाने के लिए इसे सही तरीके से और सही मात्रा में लेना बेहद जरूरी है। आइए, इस लेख में हम मेथी के पानी के कुछ बड़े फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

मेथी के पानी के स्वास्थ्य लाभ

मेथी में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, आयरन, और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। रोजाना मेथी का पानी पीने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर कब्ज, अपच और गैस की समस्या को कम करता है। यह रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है, क्योंकि मेथी इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाती है, जो मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद है।

वजन घटाने और बालों के लिए फायदेमंद

मेथी का पानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जो वजन घटाने में सहायक है। यह भूख को नियंत्रित करता है, जिससे अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है। यह बालों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि स्कैल्प को पोषण देता है जिससे बालों का झड़ना कम होता है। महिलाओं में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में भी मेथी का पानी बेहद फायदेमंद होता है।

सेवन का सही तरीका

मेथी का पानी तैयार करने के लिए 1–2 चम्मच मेथी दानों को रातभर 1 गिलास पानी में भिगो दें। सुबह खाली पेट इस पानी को छानकर पिएं। आप चाहें तो भिगोए हुए दाने भी चबा सकते हैं, क्योंकि ये फाइबर से भरपूर होते हैं। स्वाद के लिए इसमें नींबू का रस या शहद मिलाया जा सकता है। इसे रोजाना 1 गिलास से ज्यादा न पिएं, क्योंकि अधिक मात्रा में सेवन से पेट में जलन या दस्त हो सकते हैं।

सावधानियां

सीमित मात्रा में मेथी के पानी का सेवन करें। गर्भवती महिलाएं और दवाइयां ले रहे लोग पहले डॉक्टर से सलाह लें। मेथी का पानी आमतौर पर सुरक्षित है, लेकिन कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है।

यदि आपको पेट दर्द, दस्त या चक्कर जैसे लक्षण दिखें, तो इसका सेवन बंद करें। मधुमेह की दवाइयां लेने वाले लोग इसे डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

फ्लिपकार्ट और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने कार्यशाला का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत के घरेलू ई–कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश के बदायूं में कार्यशाला का आयोजन किया। ग्रामीण महिला उद्यमियों, कारीगरों एवं स्वयं सहायता समूहों को भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल इकोनॉमी का हिस्सा बनाते हुए सशक्त करने के लक्ष्य के साथ इस सत्र को आयोजित किया गया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस का सुगमता से प्रयोग करने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने कारोबार के विस्तार को सक्षम बनाने के लिए जरूरी जानकारियों एवं टूल्स से लैस किया गया। आयोजन के दौरान भारत सरकार के माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और सामाजिक न्याय मंत्री बी. एल. वर्मा तथा फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार उपस्थित रहे। फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेटर अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के साथ हमारा गठजोड़ डिजिटल समावेश को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर उद्यमिता को सक्षम बनाने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें बदायूं, उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिला उद्यमियों का समर्थन करने का गर्व है, जिनकी रचनात्मकता और लगन ने प्रगति का उदाहरण प्रस्तुत किया है। लक्षित तरीके से क्षमता निर्माण करते हुए, ऑनबोर्डिंग सपोर्ट प्रदान करते हुए और इंटरैक्टिव एंगेजमेंट के माध्यम से यह पहल स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों एवं महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को डिजिटल कॉमर्स की ताकत का लाभ उठाने में सक्षम बना रही है। फ्लिपकार्ट समर्थ और डीएवाई–एनआरएलएम (दीनदयाल अन्त्योदय योजना दृ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से हम न केवल वंचित समुदायों को बेहतर आजीविका कमाने में सक्षम बना रहे हैं, बल्कि पूरे भारत में सतत विकास एवं समावेश को बढ़ावा देते हुए बाजार तक उनकी पहुंच भी बढ़ा रहे हैं।' कार्यशाला का उद्देश्य उद्यमिता के लिए स्थानीय लोगों की क्षमता को मजबूती प्रदान करना था। फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस ऑफरिंग्स के बारे में जानकारी प्रदान करने पर फोकस करते हुए इस ओरिएंटेशन वर्कशॉप को इस तरह से डिजाइन किया गया था, जिससे ग्रामीण महिला उद्यमियों, कारीगरों और एसएचजी को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने और अपने कारोबार को विस्तार देने के लिए जरूरी जानकारियों एवं टूल्स से लैस किया जा सके। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के साथ साझेदारी में बदायूं, उत्तर प्रदेश में आयोजित इस कार्यशाला में करीब 500 ग्रामीण महिला उद्यमियों, कारीगरों एवं एसएचजी ने हिस्सा लिया। पूरे भारत में वंचित समुदायों को सशक्त बनाने में फ्लिपकार्ट समर्थ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2019 में लॉन्च की गई फ्लिपकार्ट समर्थ पहल एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य एमएसएमई, कारीगरों एवं वंचित समुदायों को समावेशी और राष्ट्रव्यापी डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करते हुए ई–कॉमर्स के माध्यम से विकास के नए अवसर सृजित करना है। इससे वे बेहतर आजीविका कमाने में सक्षम होंगे। इस कार्यक्रम ने राज्यों एवं केंद्र के मंत्रालयों, सरकारी विभागों और देश की अन्य इकाइयों के साथ रणनीतिक गठजोड़ के माध्यम से उल्लेखनीय विकास दर्ज किया है।

केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने नशा मुक्ति के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नशा मुक्ति दिवस पर केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने स्थानीय कार्यालय दिवाकर मेडिकल स्टोर से नशा मुक्ति पर जन जागरूकता यात्रा शुरू की गई। यात्रा जहांगीरा बाद ओलंदगंज ,दिलाजक से होकर दिवाकर मेडिकल स्टोर पर समाप्त हुई ।यात्रा के शुरू करने के पहले संस्था के चेयरमैन शकील अहमद ने नशीली दवाओं से समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को बताया ।शकील अहमद और महामंत्री बंशीधर ने आए हुए सदस्यों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलवाए।

इस अवसर पर कार्यवाहक अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह,कार्यवाहक महामंत्री अखिलेश श्रीवास्तव,संगठन मंत्री प्रशांत मौर्य,पी आर ओ अवधेश्वर केसरवानी,सहमंत्री प्रशांत सिंह,अनिल कुमार,महेश प्रसाद पाण्डेय,श्याम गुप्ता,कन्वीनर जेनेरिक डी के सेठ, कन्वीनर वेटनरी विनय गुप्ता,मीडिया प्रभारी अखिलेश प्रजापति, संस्था के संयोजक रामकृपाल जायसवाल ,विजय कुमार,निखिल रावत,आनंद कुमार साहू आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जी के द्वारा सड़कों के सन्दर्भ में जो भी निर्देश दिये गये है उसका शत प्रतिशत पालन कराना सुनिश्चित करें : गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव की अध्यक्षता और सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी की उपस्थिति में लोक निर्माण विभाग में मार्गों एवं सेतुओं के निर्माण हेतु कार्ययोजना तैयार किये जाने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं को जनपद एवं विधानसभा की प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुए मार्गों, सेतुओं, सड़क सुरक्षा एवं क्षतिग्रस्त मार्गोंध्सेतुओं के विशेष मरम्मत के कार्यों पर विधानसभावार चर्चा की गयी। जनप्रतिनिधियों के सुझावध्प्रस्ताव प्राप्त किये गये। इस दौरान मार्गो के चौडीकरणध्सुदढीकरण योजना, मुख्यमंत्री ग्राम योजना, कृषि विपणन योजना, लघु सेतु, तहसील एवं ब्लाक मुख्यालय योजना, तहसील एवं ब्लाक मुख्यालय योजना, अन्तर्राज्यीयध अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर पड़ने वाले मार्गो का चौडीकरण एवं सुदढीकरण गेट निर्माण, धर्मार्थ योजना, रेल उपरिगामी सेतु आदि पर विस्तार से चर्चा हुयी। राज्यमंत्री ने अधीक्षण अभिंयता को निर्देश दिया कि जनपद की सभी सड़के बरसात के पहले गडढामुक्त हो जाएं। इसके साथ ही जहां पर सड़के खराब हो सम्बन्धित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए। मुख्यमंत्री जी के द्वारा सड़कों के सन्दर्भ में जितने भी निर्देश दिये गये है उसका शत प्रतिशत पालन कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होने निर्देश दिया कि विद्युत विभाग के अधिकारियों की पृथक बैठक आयोजित की जाए। सोंधी से खुटहन, छुन्छा से करन्जाकला, मछलीशहर से बरईपार होते हुए तेजीबाजार मार्गो सहित अन्य मार्गों को ठीक कराने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि जितने भी प्रस्ताव जनप्रतिनिधियो के द्वारा दिये गये है उनको शत प्रतिशत सम्मिलित कराते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होने बताया कि सभी अधिकारी 01 सप्ताह में सड़को को गडढा मुक्त करने का कार्य करेंगे इसके साथ ही अधीक्षण अभिंयता को निर्देशित किया खराब सड़कों के पर्यवेक्षण के लिए नोडल अधिकारी नामित करे, जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी स्वयं सबसे खराब सड़कों का निरीक्षण करेंगे और सम्बन्धित अधीशांषी अभियंता,जेई,एई का तब तक वेतन नही निकलेगा जब तक सभी सड़के गडढा मुक्त नही हो जाती है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों के पत्रों का सम्यक उत्तर दे। इस अवसर पर विधायक जफराबाद, जगदीश नारायण राय, शाहगंज रमेश सिंह, मड़ियांहु डा0 आर के पटेल, मल्हनी लकी यादव, मुगराबादशाहपुर , पंकज पटेल, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अधीक्षण अभियंता पी0 डब्ल्यू0 डी0 सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

आम महोत्सव लखनऊ मे 04 से 06 जुलाई, 2025 तक होगा भव्य आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश के आम उत्पादको और प्रेमियों के लिए खुशखबरी, तीन दिवसीय भव्य आम महोत्सव का आयोजन 04 से 06 जुलाई 2025 को अवध शिल्प ग्राम अवध विहार योजना, सेक्टर 09 अमर शहीद पथ लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। किसान गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री व महोत्सव मे आम की ब्रिक्री करना चाहते है तो पौध रोपण सामग्री प्रजाति के टैग के साथ पालीथीन बैग व कोरोगेटेड बाक्स में ले जाने की

व्यवस्था स्वयं करें। जौनपुर जिले के सभी आम उत्पादक और नर्सरी मालिक जो इस प्रतिष्ठित महोत्सव मे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहते है, और अपनी गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री (विशेषकर आम की विभिन्न किस्मों) का प्रदर्शन करना चाहते है, प्रतिभाग कर सकते है आम महोत्सव में आम एवं आम के संरक्षित उत्पाद के प्रदर्श लगाने एवं प्रतिभाग करने हेतु इच्छुक कृषक 01 जुलाई 2025 तक प्रदर्श के विवरण सहित जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय जौनपुर में सर्म्पक कर सकते है।

संक्षिप्त खबरें

यूटा के शिक्षकों ने विद्यालय मर्जर के विरोध में मंत्री विधायकों को दिया ज्ञापन

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूनाइटेड टीचर एसोसिएशन यूटा के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा पूर्ण निर्धारित कार्यक्रम के अनुक्रम में विद्यालय मर्जर को लेकर विरोध–प्रदर्शन किया। विधायकों के जरिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। शनिवार को यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष संजय सिंह की अध्यक्षता में सदर विधायक एवं खेल एवं मूलक ऊर्जा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव,विधायक रमेश सिंह, विधायक लकी यादव,विधायक पंकज पटेल से मिला । संगठन के जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने विद्यालय मर्ज होने वाली दिक्कतों से अवगत कराया बताया कि यदि विद्यालय मर्ज होते हैं ,तो ग्रामीण क्षेत्र में गांव और विद्यालय की दूरी बढ़ जाएगी, जिससे बच्चे विद्यालय नहीं पहुंच पाएंगे और गरीब परिवारों के बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाएंगे । जिला मंत्री लक्ष्मी नारायण तिवारी ने बताया विद्यालय में नामांकन कम होने से भविष्य में शिक्षकों के पद कम कर दिए जाएंगे जिससे आने वाले पढ़े लिखे नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर कम होंगेस इसलिए विद्यालय मर्ज के आदेश पर विचार किया जाए स मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए उपरोक्त विधायक गण को पत्रक दिया गया। इस मौके पर चंद्रेश यादव वरिठ उपाध्यक्ष,डॉ आशीष सिंह जिला कोषाध्यक्ष, प्रमोद शुक्ला,कृष्णा पांडे चंचल पाठक ,यशवंत सिंह प्रभाकर उपाध्याय ,अजय कुमार ,डॉ विपिन सिंह उपस्थित रहे ।

सेवायोजन कार्यालय में 30 जून को रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस निकट नारायण नर्सिंग होम जौनपुर में 30 जून 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जिसकी शैक्षिक योग्यताः– हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई0डी0प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल– तवरहंतेंदहंउ.नच.हवअ.पद के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

मिक्सर की धुलाई के समय करंट की चपेट में आए तीन युवक

लखनऊ, संवाददाता। पीजीआई में शनिवार शाम वृंदावन सेक्टर 11 में स्थित अंतरिक्ष इंडिया अपार्टमेंट के निर्माण में लगी मिक्सर मशीन की धुलाई के दौरान तीन मजदूर करंट की चपेट में आ गए। साथी मजदूरों ने उन्हें पीजीआई में भर्ती कराया। अंतरिक्ष इंडिया अपार्टमेंट के भूतल पर दीवार बन रही थी। यहां काफी समय से सीतापुर के कुरैया निवासी नीरज, दीपू और अजय काम कर हैं। नीरज की बहन सीमा ने बताया कि सोमवार को काम खत्म होने पर भाई, दीपू और अजय मिक्सर की धुलाई करने लगे। तभी बिजली का तार मिक्सर से छू गया और तीनों छिटककर दूर जा गिरे। आननफानन लोगों ने तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत सामान्य बनी हुई है।

दो वर्ष पहले निर्माण के दौरान दो मजूदरों की हो चुकी है मौत

दो साल पहले इसी अपार्टमेंट के निर्माण के दौरान मिट्टी ढह गई थी। इसके नीचे दबने से दो मजदूरों की मौत हो गई थी। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह के मुताबिक, पुलिस को घटना की जानकारी नहीं दी गई है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई होगी।

कैंसर संस्थान टेलीमेडिसिन के माध्यम से करेगा कैंसर का उपचार

लखनऊ, संवाददाता। चक गंजरियास्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान टेलीमेडिसिन के माध्यम से प्रदेश के कैंसर रोगियों को इलाज की सुविधा देगा। इससे मरीज और तीमारदारों की दौड़ बचेगी। संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट ने शनिवार को हुई बैठक में यह जानकारी दी। निदेशक ने बताया कि हब एंड स्पोक मॉडल के तहत कल्याण सिंह कैंसर संस्थान हब के रूप में कार्य करेगा। मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों को टेलीमेडिसिन के माध्यम से जोड़ा जाएगा। इसके जरिये कैंसर संस्थान के विशेषज्ञ मरीजों को उनके नजदीकी केंद्र पर ही परामर्श देंगे। सिर्फ उन्हीं मरीजों को बुलाया जाएगा, जिन्हें जरूरत होगी। डॉ. अल्का शर्मा ने बताया कि राज्य में कैंसर के इलाज के लिए 38 डे केयर सेंटर चिह्नित किए गए हैं। इनमें से 11 में पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है। बैठक में प्रदेश के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों के डॉक्टरों ने भाग लिया।

ई–संजीवनी पोर्टल से भी जोड़ा जाए पोर्टल

केजीएमयू की टेलीमेडिसिन नोडल अधिकारी डॉ. शीतल वर्मा ने सुझाव दिया कि इस सेवा को ई संजीवनी पोर्टल से भी जोड़ा जाए। ऐसा होने पर मरीजों को ज्यादा लाभ मिल सकेगा।

एकीकृत टेलीमेडिसिन नेटवर्क होगा स्थापित

संस्था के टेलीमेडिसिन नोडल अधिकारी डॉ. आयुष लोहिया ने बताया कि प्रदेश में कैंसर इलाज के लिए एकीकृत टेलीमेडिसिन नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया होगी। इससे इलाज और जारी दिशा–निर्देशों में एकरूपता होगी।

भाजपा और कांग्रेस बदलना चाहती हैं संविधान, देश में फिर से चाहती हैं जातिवादी ढांचा

लखनऊ, संवाददाता। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर से संविधान में बदलाव का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा संविधान को बदलकर एक बार फिर से पुराने जातिवादी ढांचे में बदलना चाहती हैं। संविधान बदलने के लिए मुद्दे पर दोनों दल आपस से मिले हैं। उन्होंने कहा दोनों मिलकर समय–समय पर संविधान में गैरजरूरी बदलाव करके खासकर दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्गों को मिलकर आरक्षण के हक को छीनना चाहती हैं। बसपा सुप्रीमो शनिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि संविधान में बदलाव की निंदा करते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहकर कांग्रेस और भाजपा की सरकारों ने अपनी सरकार की गलत नीतियों एवं जनविरोधी चाल, चरित्र व चेहरे को छिपाने और उसपर से लोगों का ध्यान हटाने के लिए ही संविधान में बदलाव करती रही हैं। आज भी उनका यह प्रयास जारी है। संविधान में बदलाव के मुद्दे पर दोनों पार्टियां एक हो जाती हैं। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि दोनों दलों ने खासकर दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों को मिलने वाले आरक्षण को समाप्त करने का भी प्रयास किया है, जिसे लाभार्थी समाज लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। मायावती ने कहा कि संविधान में बदलाव को बसपा बर्दाश्त नहीं करेगी। भाषा के नाम पर राजनीति की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान की मूल भावना के अनुसार सभी भाषाओं को सम्मान होना चाहिए। वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर उठ रही बातों पर उन्होंने चुनाव आयोग से स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग की। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि जातिवादी मानसिकता के तहत धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर जातीय उन्माद, टकराव व हिंसा की स्थिति पैदा करके दलित एवं अन्य उपेक्षित वर्गों का शोषण किया जा रहा है।

हर स्तर पर मजबूत होगा संगठन

बसपा अध्यक्ष ने कहा कि 2025 में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अब तक संगठन को लेकर कई बैठकें भी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आगमी विधानसभा चुनाव, पंचायत चुनाव को देखते हुए पार्टी स्तर पर रणनीति भी बनाई जा रही है। पार्टी अपने जनाधार को भी एकत्रित करने में जुटी है।

अंसल पर एक ही दिन में दर्ज हुईं 10 एफआईआर

लखनऊ, संवाददाता। सुशांत गोल्फ सिटी थाने में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को अंसल कंपनी के खिलाफ ठगी की दस एफआईआर दर्ज कराई गईं। पीड़ितों ने फ्लैट, विला और प्लॉट के नाम पर कुल 1.72 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इसके साथ अंसल पर शहर भर के थानों में दर्ज मामलों की संख्या 224 हो गई है। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित रेलवे ऑफिसर्स कॉलोनी निवासी तनुजा कृष्ण दुबे के मुताबिक, 2011 में पिता मदन मोहन चंद्रा ने अंसल कंपनी से उनकी सुशांत गोल्फ सिटी स्थित साइट में एक प्लॉट बुक कराया था। इसके लिए वर्ष 2015 तक किस्तों 33.60 लाख रुपये का भुगतान किया था, लेकिन उनके नाम पर प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं हुई। वर्ष 2022 में पिता की मृत्यु हो गई। तनुजा ने जब बतौर वारिस कंपनी से प्लॉट की रजिस्ट्री उनके नाम पर करने को कहा तो कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें धमकी दी। उधर, गुरुग्राम निवासी डॉ. शचि त्रिपाठी ने बताया कि उन्होंने कंपनी को प्लॉट के लिए 25.32 लाख का भुगतान किया था, लेकिन प्लॉट का बैनामा उनके नाम नहीं किया गया। इसी तरह गोमतीनगर के विशाल खंड निवासी अमियकेत सिंह से प्लॉट के नाम पर 10.47 लाख की ठगी की गई।

इनसे भी हुई ठगी

पीजीआई के साउथ सिटी निवासी रजनीश गौड़ से दो विला के नाम पर 31.30 लाख, अलीगंज के बड़ा चांदगंज के आशीष अग्निहोत्री से फ्लैट के नाम पर आठ लाख, आशियाना के सेक्टर में रहने वाले चेतराम से प्लॉट के नाम पर 10.22 लाख की ठगी की गई। उधर, अलीगंज निवासी शैलेश अग्निहोत्री से 2 बीचके फ्लैट के नाम पर 2012 में आठ लाख, अर्जुनगंज निवासी पारस नाथ से 2010 में फ्लैट के नाम पर 5.38 लाख, आलमबाग के भिलावां साकेतपुरी निवासी अमित कुमार से फ्लैट के नाम पर 28 लाख और गौतम बुद्धनगर निवासी सरोज तिवारी से विला के नाम पर 12.35 लाख की ठगी की गई। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह के मुताबिक सभी मामलों की तफ्तीश चल रही है।

बिजली कर्मियों पर केस दर्ज करने से बढ़ा आक्रोश, दो जुलाई को देशव्यापी आंदोलन की तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। निजीकरण का विरोध कर रहे बिजली कार्मिकों पर विजिलेंस में रिपोर्ट दर्ज कराने, मनमानी तरीके से हुए तबादले और विभिन्न मामलों में हुई कार्रवाई से बिजली कर्मियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बिजली कर्मियों ने पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इसके साथ ही दो जुलाई को होने वाले राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी तेज कर दी है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से शनिवार को भी विभिन्न जिलों एवं परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसमें अभियंताओं पर विजिलेंस रिपोर्ट दर्ज कराने की निंदा की गई। प्रबंधन पर आपातकाल जैसा वातावरण बनाने का आरोप लगाया गया। इसी क्रम में नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स की बैठक में पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन और शासन के अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि निजीकरण की प्रक्रिया और दमनकारी रवैया के विरोध में दो जुलाई को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन होगा। उन्होंने कहा कि कई अन्य नेताओं पर भी एफआईआर दर्ज की जा सकती है। इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।

पॉवर ऑफिसर्स एसोसिएशन की शनिवार को फील्ड हास्टल में हुई बैठक में पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन पर दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंताओं को चिह्नित करके निशाना बनाने का आरोप लगाया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि निजीकरण को लेकर सभी संगठन विरोध कर रहे हैं। कॉर्पोरेशन प्रबंधन की ओर से संगठन से जुड़े लोगों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसमें भी दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंताओं को चिह्नित करके कार्रवाई की जा रही है। प्रबंधन का यह कदम अभियंताओं को उकसाने जैसा है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रबंधन ने अपनी कार्यप्रणाली नहीं बदली और स्थानांतरण नियमावली का उल्लंघन करके उत्पीड़न बंद नहीं किया तो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बीमारी का बहाना बनाकर टालमटोल करता रहा हकीम, रिमांड पर लेगी पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। मलिहाबाद में अवैध असलहों की फैक्टरी चलाने वाले आरोपी हकीम सलाऊद्दीन उर्फ लाला से पूछताछ में पुलिस को कुछ खास जानकारी नहीं मिल सकी है। आरोपी बार–बार दिल की बीमारी का बहाना कर पुलिस को गुमराह करता रहा। खुफिया एजेंसियों को भी आरोपी ने कोई ठोस जानकारी नहीं दी। ऐसे में उसे जेल भेज दिया गया। अब पुलिस आरोपी को कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। सलाऊद्दीन के मोबाइल फोन और लैपटाप में कई फोटो और संदिग्ध नंबर मिले हैं। पुलिस आरोपी की कॉल डिटेल खंगाल रही है। पड़ताल में सामने आया है कि आरोपी पीओके और कश्मीर के कुछ लोगों के संपर्क में था। सूत्रों के मुताबिक आरोपी ने कश्मीर से भी असलहों की खरीद फरोख्त की थी। साजिश की आशंका को देखते हुए खुफिया एजेंसियों ने जांच तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी से एटीएस जेल में पूछताछ कर सकती है। इसके अलावा आरोपी को कौन लोग असलहा बनाने के उपकरण उपलब्ध कराते थे और किन लोगों को उसने असलहे बेचे थे, इसकी जानकारी भी की जाएगी। पुलिस ने आरोपी के कुछ करीबियों की सूची तैयार की है, जिनसे पूछताछ होगी।

हिरन के शिकार के सवाल पर साध ली चुप्पी

आरोपी से उसके घर से हिरन की खाल मिलने को लेकर कई सवाल किए गए। उससे पूछा गया कि उसने हिरन का शिकार कब और कहां किया था। इस सवाल पर भी आरोपी ने चुप्पी साध ली। पुलिस अब सवालों की सूची तैयार कर रही है। पुलिस कस्टडी रिमांड पर आरोपी से इन सवालों के जवाब मांगे जाएंगे। पूछताछ के दौरान आरोपी के अधिवक्ता को भी वहां मौजूद रहने की इजाजत दी जा सकती है।

ये है मामला

मलिहाबाद थाने से 100 मीटर दूर सलाऊद्दीन के घर से बड़ी संख्या में अवैध असलहे बरामद किए गए थे।

सहायक कुलसचिव सरला यादव ने पीयू में कार्यभार ग्रहण किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में लखनऊ विश्वविद्यालय से आई सहायक कुलसचिव सरला यादव ने सहायक कुलसचिव के रूप में विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। उन्हें कुलसचिव डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने कार्यभार ग्रहण कराया। बता दें कि इसके पहले सरला देवी यादव प्रशासनिक अधिकारी लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यरत थी। शासन स्तर से उनका पदोन्नति हुआ है । उन्होंने विश्वविद्यालय में पहुचकर कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, पूर्व अध्यक्ष रामजी सिंह, महामंत्री रमेश यादव, सुशील प्रजापति ,राधेश्याम सिंह मुन्ना ,वरिंदर यादव समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद सहायक को सच्ची सरला यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय आगे ले जाने में इसके विकास में हर संभव कदम उठाया जाएगा ।

रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई कनिष्क सहायक एवं सहायक स्तर – 3 की परीक्षा

अयोध्या।कनिष्क सहायक एवं सहायक स्टार 3 मुख्य परीक्षा रविवार को 16 परीक्षा केंद्रों पर शांति पूर्वक ढंग से संपन्न हुई।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन तिवारी ने बताया कि रविवार प्रातः 10रू00 बजे से प्रारम्भ होकर 12रू00 तक चली।16 परीक्षा केदो पर पंजीकृत 7248 अभ्यर्थियों में से कुल 4308 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए,शेष 2940 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।उन्होंने बताया परीक्षा को कुशल पूर्वक, तथा निष्पक्ष व पारदर्शी रखने हेतु 16 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 16 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे।परीक्षा केंद्रों पर किसी भी तरह की व्यावधान ना उत्पन्न हो इसके लिए सभी परीक्षा केन्द्रो पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मी भी तैनात रहे।

बेटियो व महिलाओ की है समाज मे महत्वपूर्ण भूमिका – महिला थानाध्यक्ष

अयोध्या।जिस घर में बेटी जन्म लेती है उसे भार ना समझ कर अपना सौभाग्य समझे।बेटी के जन्म लेते ही वहां सौभाग्य भी जन्म लेता है।वही बेटी के चहुँमुखी विकास के लिए केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार भी एक से बढ़कर एक महत्वाकांक्षी योजनाएं भी चला रही है। यह बातें मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत सामुदायिक भवन नील बिहार कॉलोनी मे मुख्य अतिथि के रूप में आई महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने कहा।वहां पर मौजूद महिलाओं तथा बच्चियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं

एवं बालिकाएं अपने को कमजोर ना समझे इसके लिए सरकार द्वारा मिशन शक्ति – 5 अभियान के साथ–साथ कई महत्वाकांक्षी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं इस योजना का लाभ आप सभी को तभी मिल सकेगा जब आप सभी इस योजना के बारे में बारीकी से जानेंगी।इस मौके पर उन्होंने विधवा पेंशन,वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को बारीकी से बताया।उन्होंने पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद के अलावा महिला थाना की अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही।

डायट में एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

अयोध्या।शनिवार डायट में नवचयनित एकेडमिक रिसोर्स पर्सन की एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई।इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रशिक्षण प्रभारी देवेंद्र सिंह प्रवक्ता डाइट द्वारा मां सरस्वती के माल्यार्पण से किया गया।एस.आर.जी. डॉ0 अम्बिकेश त्रिपाठी द्वारा नवचयनित ए.आर.पी.को सपोर्टिव सुपरविजन के द्वारा निपुण के उद्देश्यों की प्राप्ति एवं एनईपी 2020 पर वृहद चर्चा की गई।अकादमिक वर्ष की निपुण रणनीति के क्रियान्वयन में मेंटर की भूमिका पर एस.आर.जी. मनीष रस्तोगी द्वारा चर्चा परिचर्चा की गई जबकि एस.आर.जी. अमित कुमार मिश्र द्वारा गुणवत्ता ऐप की चेक लिस्ट पर विस्तृत चर्चा करते

हुए 40 रू20 रू40रू 20 के कांसेप्ट को भी बताया गया।कार्यशाला प्रभारी देवेंद्र सिंह द्वारा कार्यशाला के अंत में सभी ए.आर.पी. को धन्यवाद देते हुए जनपद को निपुण बनाने के लिए मिशन मोड पर कार्य करने का आवाहन किया।इस कार्यशाला में डायट प्रवक्ता डॉ ऋषि पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र सिंह,प्रतिमा चतुर्वेदी, सुनील,महेन्द्र कुमार वर्मा सहित सभी एस आर जी एवं नव चयनित ए आर पी उपस्थित रहे।

चेन स्नेचिंग की घटना करने वाली 5 आरोपियों को राम जन्मभूमि पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या।राम नगरी में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं से चेन स्नेचिंग की घटना करने वाले गैंग में शामिल पांच महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर खुलासा थाना राम जन्मभूमि पुलिस ने किया।इस संबंध में थानाध्यक्ष राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि इस वारदात को करने वाला यह गिरोह काफी दिनों से सक्रिय था।इस गिरोह में शामिल महिलाएं राम मंदिर परिसर के साथ–साथ आसपास मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं से चौन स्नेचिंग की घटनाओ को अंजाम देती थी। इसमें शामिल पांचो आरोपी महिलाओं को पुलिस ने टेढ़ी बाजार ओवर ब्रिज के नीचे से गिरफ्तार किया।इन आरोपियों की पहचान गीता पत्नी इंद्रेश निवासी जगना तेनुआ थाना बिलरियागंज आजमगढ़,पूनम उर्फ नीता पत्नी मनोज उर्फ विनोद निवासी अलीनगर थाना मुबारकपुर आजमगढ़, शिवानी पुत्री विनोद उर्फ मनोज निवासी अलीनगर थाना मुबारकपुर आजमगढ़,सपना पत्नी देवा निवासी ग्यासपुर भट्टा के पास थाना शाहगंज जिला आगरा वबच्छला पत्नी वामन निवासी ग्यासपुर भट्टा के पास थाना शाहगंज जिला आगरा के रूप में हुई।जिसमें गीता देवी का आपराधिक इतिहास भी पाया गया है।पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी हुए चेन का लाकेट व 5860₹– रूपये नगद बरामद किए।इस घटना का खुलासा करने वालों में चौकी प्रभारी कटरा रजनीश पाण्डेय,उ0नि0 उत्तम यादव,उ0नि0 यशवंत सिंह,उ0नि0 आलोक सिंह,म0उ0नि0 उमा देवी,

आपके रक्तदान से जरूरतमंदो के लिए जीवनदान – डॉ संदीप मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा क्षेत्र के कुतुपुर बाजार के पास रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ । जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया और दूसरो के जीवन को बचाने पर की पहल की । रक्तदान शिविर शिवांश ब्लड बैंक कुत्तुपुर तिराहा पर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रयागराज मंडल ब्लड डोनेशन चेयरपर्सन डा.पंकज महेश्वरी ने किया। संयोजक डॉ संदीप मौर्य ने स्वयं रक्तदान करके अन्य लोगों को भी रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। कुल 31 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि डा. पंकज महेश्वरी ने कहा कि इस सत्र में सबसे अधिक रक्तदान शिविर लगाने और लोगों से रक्तदान कराने मे लायन्स क्लब जौनपुर मेन मंडल में प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने कहा– रक्तदान एक सच्चा उपहार है, जिसे आप दूसरों की जरूरतों पर दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि खून एक ऐसी चीज है जिसे बनाया नहीं जा सकता। इसकी आपूर्ति का कोई विकल्प भी नहीं है। एक बार रक्तदान से आप चार लोगों की जिन्दगियाँ बचा सकते हैं। डॉ संदीप मौर्य ने कहा कि किसी का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना जरुरी है। रक्तदान महादान है, इसे जीवनदान के बराबर माना जाता है। रक्तदान न केवल अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाता है, बल्कि यह रक्त देने वाले को स्वस्थ बनने में भी मदद करता है। आपका रक्त जरूरतमंदों को सांसें और उनके परिजनों की खुशियां लौटा सकता है। इस अवसर पर अध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता, संजय केडिया, सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, डॉ चन्द्रकला मौर्य, दिलीप गुप्ता, योगेश साहू, रंजीत सिंह, रामकुमार साहू, मो सलमान, अनुराग, राकेश कुमार, सूरज, वाहिद, अंकित, सारांश, अभिषेक, अमन, विजय बहादुर, कमलेश, पवन कुमार, परवेज, विकास विवेक, संजय मिथिलेश उपस्थित रहे।

शनिवार को एक के बाद एक तीन घटनाओ का एसएसपी ने किया खुलासा

अयोध्या।शुनिवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने अयोध्या कोतवाली समेत तीन थाना क्षेत्रों में हुई तीन घटनाओं का खुलासा करते

हुए इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया। घटना की खुलासा करते हुए एसएसपी डॉक्टर गौरव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी भीड भाड बाले स्थानों पर जाकर भीड का फायदा उठाते हुये मोबाईल चोरी कर चोरी की गयी मोबाईलो मे गूगल के माध्यम से यूपीआई बनाकर उससे उसके खाते में जमा सारे पैसे निकाल लेते थे।बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान छोटू महतो पुत्र स्व0 दिलीप महतो निवासी बाबूपुर थाना तीनपहाड जनपद साहबगंज झारखण्ड,बन्टी मण्डल पुत्र जमालू मण्डल निवासी बाबूपुर नया टोला सेन्टर थाना तीनपहाड जनपद साहबगंज झारखण्ड,संतोष मण्डल पुत्र हरिबोल मण्डल निवासी रामपुर माधोपुर थाना करमाटांड जनपद जामतारा झारखण्ड,राहुल मण्डल पुत्र स्व0 जयराम मण्डल निवासी खरबनी थाना नारायनपुर जनपद जामतारा झारखण्ड के अलावा एक अपचारी विसेख कुमार पुत्र बन्टा मण्डल निवासी बाबू पुर पंचायतभवन फील्ड के पास थाना तीनपहाड जनपद साहबगंज झारखण्डा के रूप में हुई।पुलिस ने इनके पास से 10 अदद चोरी की मोबाईल व 497500 रुपये बरामद किया। वहीं दूसरी घटना का खुलासा उन्होंने थाना मवई क्षेत्र में दंपति से हुई लूट का किया।बताया कि इस घटना में शामिल दो आरोपियों को मवई पुलिस ने गिरफ्तार किया जिसकी पहचान द्वारिका पुत्र राम किशुन रावत निवासी ग्राम रजनपुर थाना मवई तथा उमेश कुमार लोधी पुत्र परमेश्वर लोधी निवासी ग्राम कछिया थाना मवई के रूप में हुई।बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर है।बताया कि खुलासे की इसी कड़ी में थाना तारुन पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ही तारून थाना क्षेत्र के सर्राफा व्यवसाई की दुकान से आभूषण चोरी का खुलासा करते हुए इसमें शामिल आरोपी मोनू निषाद पुत्र पहाड़ी निवासी सकतपुर थाना तारुन को गिरफ्तार किया। इस मौके पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के अलावा सीओ बीकापुर पीयूष,सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी व सीओ रुदौली आशीष निगम के अलावा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा, थानाध्यक्ष तारुन संदीप त्रिपाठी,थानाध्यक्ष मवई सुरेश कुमार पटेल मौजूद रहे।

एल.पी.एस. चेयरमैन ने आयोजित किया फैकल्टी डेवलपमेंट मास्टर क्लास

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, विनम्र खंड , गोमती नगर शाखा के श्री रामलाल मेमोरियल ऑडिटोरियम में ष्डेयर टू इंपैक्ट रू फैकल्टी डेवलपमेंट मास्टर क्लासष् का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर फाउंडर चेयरमैन डॉ. एस.पी. सिंह (सांसद) ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज का आधार हैं और शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और जीवन मूल्यों का विकास करना है। डॉ. सिंह ने नई शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा पर जोर देते हुए शिक्षकों को शिक्षण में नवीन दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। मास्टर क्लास में मुख्य वक्ताओं के रूप में के.एस. उपाध्याय (एडिशनल डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन) और बॉबी डिसूजा (प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर) ने शिक्षकों से विचार साझा किए। के.एस. उपाध्याय ने नई शिक्षा नीति पर केंद्रित अपने सत्र में दक्षता आधारित मूल्यांकन, बाल–केंद्रित शिक्षण और जिज्ञासा आधारित शिक्षाशास्त्र को प्रभावी ढंग से लागू करने के उपाय बताए। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षक बच्चों की जिज्ञासा को प्रोत्साहित करें और शिक्षण को जीवन से जोड़ें। बॉबी डिसूजा ने अपनी ऊर्जावान, प्रेरक और मनोरंजक प्रस्तुति से सभी शिक्षकों में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने कहानियों और अपने जीवन के अनुभवों से यह संदेश दिया कि शिक्षक अपने दृष्टिकोण और ऊर्जा से कक्षा का वातावरण बदल सकते हैं। उनका संदेश कृ "अपनी आवृत्ति उस चीज से मिलाइए जिसे आप पाना चाहते हैं" कृ सभी के दिलों में गूंज उठा। डायरेक्टर नेहा सिंह ने दोनों वक्ताओं, सभी वरिष्ठ अधिकारियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह मास्टर क्लास सभी शिक्षकों के लिए दिशा–निर्देशक सिद्ध होगा और हमें अपने शिक्षण में नवाचार करने की प्रेरणा देगा।यह कार्यक्रम निःसंदेह लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस के शैक्षिक विजन को और सशक्त बनाने वाला रहा। कार्यक्रम में प्रशासनिक हेड कांति सिंह पूर्व एमएलसी, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, जनरल मैनेजरसर्र हर्षित सिंह, शिखर पाल सिंह , डायरेक्टसर्र नेहा सिंह,गरिमा सिंह , निकिता सिंह, सभी शाखाओं के प्रिंसिपल्स तथा शिक्षक– शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय अयोध्या की सांस्कृतिक संरक्षक पर प्रस्तुति दी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

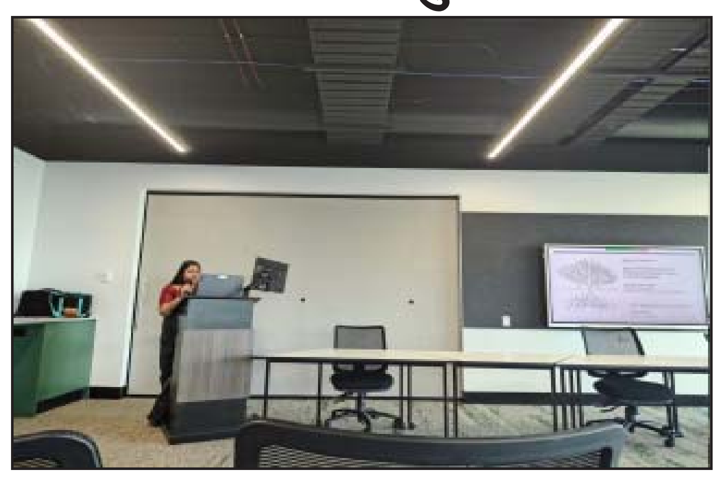

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग की द्वितीय वर्ष की शोधार्थी, सान्या गुप्ता ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में 22 से 28 जून, 2025 तक आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड आर्कियोलॉजिकल कांग्रेस (ॅ(–10) में अपने शोध पत्र ष्अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालयरू अयोध्या की सांस्कृतिक संरक्षकष् पर प्रस्तुति दी। वह प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव के निर्देशन में पीएच.डी. कर रही हैं। वर्ल्ड आर्कियोलॉजिकल कांग्रेस विश्व स्तर पर पुरातत्त्व के क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलनों में से एक है, जो प्रत्येक चार वर्षों में आयोजित होता है। इसमें विश्व भर के विद्वान, शोधकर्ता और क्षेत्रीय विशेषज्ञ एकत्र होकर सांस्कृतिक विरासत, पुरातत्त्वीय पद्धतियों और उनसे जुड़े समसामयिक मुद्दों पर संवाद और शोध प्रस्तुत करते हैं। इस उपलब्धि के साथ–साथ सान्या गुप्ता को ष्अर्ली करियर रिसर्च विमेन स्कॉलरशिपष् से भी सम्मानित किया गया, जो उभरती हुई महिला शोधार्थियों की प्रतिभा और क्षमता को मान्यता देता है। इस सम्मान को प्राप्त करने वाली वह देश की सबसे युवा शोधकर्ताओं में से एक बन गई हैं।

डॉ सत्य नारायण दुबे शरतेंदु ने किया बाल्मीकि रामायण का ऐतिहासिक पद्यानुवाद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जनपद के प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ सत्य नारायण दुबे शशरतेंदुश ने 87वर्ष की अवस्था में भी निरंतर लेखन कर के दुर्गा शप्तशती, गीता और बाल्मीकि रामायण कथामृत सरल हिंदी पद्यानुवाद करके जौनपुर को गौरवान्वित किया है। मड़ियाहूं तहसील के ददरा ग्राम निवासी ऐसे लेखक हैं जो पांच दशक से अधिक समाज को लेखनी के माध्यम से प्रेरित कर रहे हैं। इनकी बी.एड., एम.एड., बीटीसी की पाठ्य पुस्तकें, जौनपुर का गौरवशाली इतिहास सहित 300 से अधिक कहानी, काव्य, उपन्यास विद्यार्थियों, पाठकों में अत्यधिक लोकप्रिय हैं। रोवर्स रेंजर्स के जिला कमिश्नर और वी.ब.सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय के डीन प्रोफेसर अजय कुमार दुबे की डॉ शरतेंदु जी के साथ लिखित चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, ने बताया कि डॉ शरतेंदु जी विगत 7 वर्षों से बाल्मीकि रामायण का हिंदी पद्यानुवाद कर रहे थे प्रारंभ में स्वास्थ्य कारणों से केवल सुंदर कांड का पद्यानुवाद करने का विचार था किंतु प्रभु श्री राम की कृपा और आशीर्वाद से वह बाल्मीकि रामायण के समस्त कांडों का पद्यानुवाद कर के प्रकाशित कर चुके हैं जो कि जनपद ही नहीं वरन भारतवर्ष के लिए भी एक गौरव का विषय है । डॉ शरतेंदु जी 1 जुलाई 1964 से 30 जून 1999 तक गांधी स्मारक पी जी कॉलेज समोधपुर में शिक्षक शिक्षा विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर कार्य किया, इनकी नियुक्ति भले ही बी.एड. विभाग में हुई लेकिन बी.ए. में इतिहास , राजनीति शास्त्र, हिंदी की कक्षाओं भी शौकिया लिया करते थे जिस कक्षा में जो विषय पढ़ाया कुछ समय बाद उस पर पाठ्य पुस्तक भी लिख डाला ऐसी प्रतिभा के धनी और इरादे के पक्के संकल्पना को पूर्ण करने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.एड. पी–एच.डी.की डिग्री प्राप्त की । इनके गुरुजनों में प्रोफेसर रघुपति सहाय, फिराँक गोरखपुरी ,प्रोफेसर हरिवंश राय बच्चन, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला , डॉ रामकुमार वर्मा ,डॉ धीरेंद्र वर्मा, डॉ धर्मवीर भारती, अर्थशास्त्र के शिक्षक प्रोफेसर जे के मेहता, दर्शन शास्त्र के शिक्षक डॉ संगम लाल पांडेय थे। 'पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा ने भारत भूमि महान काव्य कृति का राष्ट्रपति भवन में विमोचन कर डॉ शरतेंदु को सम्मानित किया।' 'ताल कटोरा स्टेडियम,नई दिल्ली में भारतीय दलित साहित्य अकादमी में देश के प्रमुख राजनेताओं की उपस्थिति में एक बार डॉ भीमराव अंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार और दूसरी बार विशिष्ट सेवा पुरस्कार से अलंकृत हुए ।' 'जय स्वतंत्र भारत काव्य ग्रंथ का श्री माता प्रसाद, पूर्व राज्यपाल अरुणाचल प्रदेश ने विमोचन के साथ ही विशिष्ट सम्मान के साथ सम्मानित किया।'

सौम्या वर्मा के सिखाए बच्चों ने भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति दी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय लखनऊ में ग्रीष्मकालीन संगीत एवं कला अभिरुचि कार्यशाला 2025 का समापन समारोह राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में बहुत ही शानदार तरीके से संपन्न हो गया। मुख्य अतिथि संस्कृत एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन अपने कर कमलों से किया। भरतनाट्यम गुरु ज्ञानेंद्र बाजपेई की शिष्या सौम्या वर्मा की देखरेख में भरतनाट्यम के नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। पिछले एक माह से 25 बच्चों ने भरतनाट्यम की बारीकियों को करीब से समझा और सीखा। जिसके बाद आज अपनी गुरु सौम्या वर्मा की देखरेख में मंच से शिव स्तुति की प्रस्तुति प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान मौजूद रही पद्मश्री मालिनी अवस्थी, आईएएस रंजन कुमार सहित अनेक सुविख्यात हस्तियों ने बच्चों के द्वारा की गई प्रस्तुति की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। भरतनाट्यम की प्रस्तुति में मुख्य रूप से आदिश्री, अहाना अफसर, प्रणव्य, सौरभ, सान्या, प्रशांति, प्रत्यक्ष, गार्गी, नाव्या, यशंजलि, ऋषिका, दीपाली,, सुषमा, खुशबू, प्रियंवदा, रामा शामिल थे। राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह का जीर्णोद्वार के उपरांत मुख्य अतिथि के द्वारा लोकार्पण भी किया गया। जिसमें भरतनाट्यम के साथ साथ लाइट म्यूजिक के अध्यापक नमन सिंह, गिटार के गौरव, कथक की एकता और क्लासिकल म्यूजिक की कीर्तिका ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।